राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर का द्वितीय दीक्षांत समारोह आयोजित

सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर आधारित शिक्षा से ही विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास संभव

स्थानीय ज्ञान–विज्ञान को भी नई पीढ़ी तक पहुंचायें विश्वविद्यालय – राज्यपाल

जयपुर, 05 मार्च। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ सूचनाएं और जानकारी प्रदान करना नहीं है बल्कि व्यक्ति में विवेक का विकास करना है। उन्होंने कहा कि व्यापक सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर आधारित शिक्षा से ही विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास संभव है।

राज्यपाल श्री मिश्र शुक्रवार को यहां राजभवन से राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान की संस्कृति उस स्थान को जीवन्त रखते हुए भविष्य की नवीन राहों का निर्माण करती है। इसलिए उस क्षेत्र से जुड़े स्थानीय ज्ञान–विज्ञान को वर्तमान संदर्भों के अनुरूप नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रयास करने चाहिए।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि अलवर जिले की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत काफी संपन्न रही है जिसे आगे बढ़ाते हुए मत्स्य विश्वविद्यालय को राजऋषि भर्तृहरि के शतक काव्यों और वाक्यपदीय ग्रंथों पर शोध की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में पदक प्राप्त करने वालों में छात्रों से अधिक संख्या छात्राओं की रही। अकादमिक क्षेत्र में बेटियों को सफल होते देखना सुकून देता है क्योंकि एक बेटी यदि शिक्षित होती है तो दो परिवार पढ़–लिखकर आगे बढ़ते हैं।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि युवा संविधान की मूल भावनाओं को समझें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं, इसके लिए उन्होंने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क की स्थापना की पहल की है। उन्होंने कहा कि संविधान हमारा मार्गदर्शक मूलग्रंथ है जिसके बारे में सभी को जागरूक होना ही चाहिए।

कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल श्री मिश्र ने संविधान की उद्देशिका तथा मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया। समारोह में वर्ष 2018–19 के दौरान कला, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, विधि, विज्ञान एवं ललित कला संकाय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और रजत पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर मोनिका यादव को कुलाधिपति पदक प्रदान किया गया।

कुलपति श्री जे.पी. यादव ने अपने स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

समारोह के दौरान राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल सहित अधिकारीगण, शिक्षकगण, शोधार्थी तथा विद्यार्थी ऑनलाइन उपस्थित थे।

——